प्रेस विज्ञप्ति 8 जनवरी, 2017

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला
मेले में उमड़ी पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़

आज रविवार के दिन मेले में हर तरफ पुस्तक प्रेमियों को अपनी पसंदीदा पुस्तकें खरीदते देखा गया। सभी आयु–वर्ग के लोग उत्साहपूर्वक सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद लेते नजर आए।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा फिक्की के सहयोग से 8 जनवरी को सीईओ स्पीक के 5वें संस्करण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'पठन संस्कृति की रचना का विचार और व्यापार : विभिन्न देशों की चुनौतियाँ एवं अनुभव' विषय पर आयोजित बैठक में संबोधन करते हुए मानव संसाधन विकास राज्यमंत्री, डॉ. महेंद्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि उस युग में, जबकि सारा विश्व इंटरनेट के जबरदस्त प्रभाव में हो, पठन संस्कृति के प्रोन्नयन का महत्व और प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। साथ ही, उन्होंने क्षेत्रीय प्रकाशकों को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा ने कहा कि लोगों में पठन आदत को बढ़ाने के लिए देश के सुदूर क्षेत्रों में किफायती मूल्य पर पुस्तकों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना होगा। इस अवसर पर इटली दूतावास के सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक, सुश्री एलेसांद्रा बरतिनी मैलगरीनी; शारजाह बुक अथॉरिटी के विक्रय एवं विपणन निदेशक, श्री सालिम उमर सालिम; फिक्की के महासचिव, डॉ. ए. दीदार सिंह भी उपस्थित थे। तदुपरांत, 'द बिजनेस ऑफ बुक्स इन साउथ एशिया' विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन हुआ जिसका संचालन फिक्की पब्लिकेशन की अध्यक्ष, सुश्री उर्वशी बुटालिया ने किया। कार्यक्रम के अंत में न्यास की निदेशक, डॉ. रीता चौधरी ने कहा कि एनबीटी इस सत्र में जो भी कार्यान्वयन योग्य बिंदु उभरे हैं उस पर कार्य करेगा।

थीम मंडप : मेले में हॉल सं. 7 ई में थीम 'मानुषी' पर आधारित विशेष मंडप में आज राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित तथा 'माई लाइफ माई लिट्रेचर' की ओड़िया लेखिका, डॉ. प्रतिभा राय से यशोधरा मिश्रा ने बातचीत की। इस अवसर पर डॉ. प्रतिभा राय ने कहा, "साहित्य और जीवन दोनों एक–दूसरे के प्रतिबिंब हैं। बिना साहित्य के जीवन का कोई मतलब नहीं है।" उन्होंने कहा कि जब आप शांत भाव से, ध्यान से अपने जीवन की गहराइयों को महसूस करते हैं तो मन में साहित्य का स्वतः ही सृजन हो जाता है। इस अवसर पर न्यास के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा भी उपस्थित थे। आज इस मंडप पर आबिद सुरती द्वारा लिखित तथा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'ढब्बूजी

का धम्माल' का विमोचन हुआ। साथ ही, मध्य प्रदेश हिंदी अकादमी द्वारा प्रकाशित 'श्रीमदभगवतगीता में विज्ञान', बिरहोर महिलाएँ और बदलता परिवेश' तथा पत्रिका 'रचना' का भी लोकार्पण हुआ। इन पुस्तकों का लोकार्पण उच्च शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश, माननीय श्री जयभान सिंह पवैया द्वारा किया गया । इस अवसर पर एनबीटी के अध्यक्ष, श्री बल्देव भाई शर्मा; मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संचालक, प्रो. सुरेंद्र बिहारी गोस्वामी तथा कार्टून की दुनिया के बड़े सितारे आबिद सुरती भी उपस्थित थे।

बाल मंडप : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा हॉल सं. 14 में बनाए गए बाल मंडप में बच्चों को विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए देखा जा सकता है। आज बाल मंडप पर विभिन्न विद्यालयों, एनजीओ तथा बस्तर से आए बच्चों ने 'स्वच्छ भारत' विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। अपनी कल्पनाओं को रंगों एवं चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए बच्चे अत्यंत प्रसन्न नजर आ रहे थे। यहाँ 'ज्ञान ज्योति संस्थान' द्वारा एक लोकनृत्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बच्चों ने नृत्य और कविताओं के जरिए बच्चों को सात्विक आदतों के बारे में जागरूक किया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने 'अल्मोड़ा' का प्रसिद्ध लोकनृत्य प्रस्तुत किया। इसी मंच पर आज असम, तिनसुकिया से आए बच्चों ने 'सत्रिय' शैली में लोकनृत्य प्रस्तुत किया।

साहित्य मंच : आज मेले में बने साहित्य मंच पर प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित एवं सुश्री रचना बिष्ट द्वारा लिखित '1965 भारत–पाक युद्ध की वीरगाथाएँ' का लोकार्पण हुआ। इस पुस्तक में भारत–पाकिस्तान के बीच सन् 1965 में लड़े गए ऐतिहासिक युद्ध के बारे में बताया गया है तथा बहादुर योद्धाओं से जुड़ी प्रेरणादायक कहानियाँ प्रस्तुत की गई हैं। इस अवसर पर अतिथियों के रूप में बिग्रेडियर अरविंदर सिंह, मेजर जनरल बी. वर्मा आदि उपस्थित थे। इसी मंच पर आज राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'एक प्रयास धरती के छोर पर' का लोकार्पण भी हुआ जिसमें एडमिरल अरुण प्रकाश, ब्रिगेडियर रणबीर कुमार भाटिया तथा श्रीमती चरणजीत कौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस अवसर पर एनबीटी की निदेशक, डॉ. रीता चौधरी ने भी अपने विचार साझा किए।

लेखक मंच : आज लेखक मंच पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पंकज वोहरा की पुस्तक 'सिलिएक डिजीज' पर परिचर्चा हुई। इस चर्चा में पंकज वोहरा के साथ नीलांजना एवं अवंती शामिल हुईं। डॉ. पंकज वोहरा ने बताया कि किन कारणों से सिलिएक बीमारी होती है और कैसे इसे दूर किया जा सकता है।